आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 28.02.2026 समय : 0705

<><><><><><><>

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अजमेर से 14 वर्ष तक की आयु की बालिकाओं के लिए राष्ट्रव्यापी एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे।

- द्वीप विकास एजेंसी के उपाध्यक्ष एडमिरल डी. के. जोशी ने नई दिल्ली स्थित 'यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन' को संबोधित करते हुए द्वीपसमूह के विकासीय परियोजनाओं पर प्रकाश डाला।

- भारतीय वैज्ञानिक सर सी.वी. रमन द्वारा 'रमन प्रभाव' की खोज के उपलक्ष्य में आज राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जा रहा है।

- दक्षिण अंडमान जिला स्वास्थ्य समिति स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए विभिन्न 'वर्टिकल हेल्थ प्रोग्राम' लागू कर रही है।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राजस्थान के अजमेर में 14 वर्ष तक की आयु की बालिकाओं के लिए राष्ट्रव्यापी ह्यूमन पैपिलोमावायरस–एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। इस कार्यक्रम का लक्ष्य प्रतिवर्ष सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 14 वर्ष तक की लगभग एक करोड़ 15 लाख बालिकाओं का टीकाकरण करना है। यह टीका सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। टीकाकरण आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, उप–जिला और जिला अस्पतालों के साथ सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों और अस्पतालों में किया जाएगा। टीकाकरण स्वैच्छिक होगा और माता–पिता तथा अभिभावकों से पूर्व स्वीकृति प्राप्त की जाएगी। सर्विकल कैंसर देश में महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर है। इसके प्रतिवर्ष एक लाख 20 हजार से अधिक नए मामले सामने आते हैं और लगभग 80 हजार लोगों की मौत हो जाती हैं।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के उपराज्यपाल और द्वीप विकास एजेंसी के उपाध्यक्ष एडमिरल डी. के. जोशी ने नई दिल्ली स्थित 'यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन' को संबोधित किया। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग –4 का विस्तार, आजाद हिंद फौज सेतु का निर्माण और मिडिल स्ट्रेट पुल निर्माण कार्य पर प्रकाश डाला।

चेन्नई–अंडमान निकोबार सबमरीन केबल के बाद अब दीघा और दिगलीपुर के बीच एक अतिरिक्त ऑप्टिकल फाइबर लिंक प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल का उद्‌घाटन और कुआलालंपुर से एयर एशिया की पहली उड़ान ने अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी के नए द्वार खोल दिए हैं। श्री विजय पुरम और ग्रेट निकोबार में नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे विकसित किए जा रहे हैं। हेलिकॉप्टर सेवाओं का आधुनिकीकरण और प्रमुख पर्यटन स्थलों के लिए सीप्लेन सेवाओं को फिर से शुरू करने का प्रस्ताव है। गैलाथिया बे को भारत का 13वां प्रमुख बंदरगाह घोषित किया गया है। उन्होंने कहा अंडमान बेसिन में 'गुयाना जैसी क्षमता' की संभावना जताई गई है। प्रशासन का लक्ष्य 100 प्रतिशत डी–डीजलाइजेशन है। ओडिशा के पारादीप से HVDC लिंक के जरिए बिजली लाने का भी प्रस्ताव है। पर्यटन और आतिथ्य के क्षेत्र में लॉन्ग आइलैंड, एविस आइलैंड और शहीद द्वीप जैसे प्रोजेक्ट्स को भारी प्रीमियम पर नीलाम किया गया है।

<><><><><><><>

श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद ने शहर में पानी की बर्बादी को कम करने, बेहतर जल प्रबंधन को बढ़ावा देने और इस बहुमूल्य संसाधन को बचाने के लिए 'लीकेज रोकें, पानी बचाएं' अभियान की शुरुआत की है। अभियान के मुख्य उद्देश्य बढ़ती मांग को देखते हुए पेयजल की बर्बादी रोकना, समान जल वितरण सुनिश्चित करना और लीकेज की पहचान कर जल्द मरम्मत करना है। इसके लिए परिषद ने अंडमान लोक निर्माण विभाग के साथ मिलकर विशेष टीमों का गठन किया है। ये टीमें वार्ड–वार पाइपलाइनों की जांच कर रही हैं। लोगों को जागरूक करने के लिए 'क्या करें और क्या न करें' की जानकारी वाले पर्चे बांटे जा रहे हैं। परिषद ने नागरिकों को अपनी पानी की टंकियों में फ्लोट वाल्व लगवाने और अपने घर के नल और पाइपों की नियमित जांच करने को कहा है। संस्थानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से भी पानी का जिम्मेदार उपयोग की अपील की गई है। किसी भी तरह की शिकायत होने पर लोगों से नगरपालिका नियंत्रण कक्ष के 231179 और ग्रामीण क्षेत्र में APWD जल नियंत्रण कक्ष के 251185 पर संपर्क किया जा सकता है।

<><><><><><><>

आज राष्ट्रीय विज्ञान दिवस है। महान भारतीय वैज्ञानिक सर सी.वी. रमन द्वारा 'रमन प्रभाव' की खोज के उपलक्ष्य में, वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने और जनता के बीच विज्ञान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए हर साल आज ही के दिन पूरे देश में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का मुख्य उद्‌देश्य भारतीय वैज्ञानिकों के उल्लेखनीय योगदान को सम्मान देना है। इस वर्ष का विषय 'विज्ञान में

महिलाएँ: विकसित भारत को गति देना' रखा गया है। इस उपलक्ष्य में विज्ञान केंद्र की ओर से 'विज्ञान सप्ताह' के दौरान शैक्षिक और संवादात्मक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर विज्ञान केन्द्र के शिक्षण अधिकारी देबाशीष पॉल ने इस दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

विज्ञान केन्द्र के सभागार में आज शाम चार बजे समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

<><><><><><><>

इस बीच, द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, इंडिया, अंडमान निकोबार राज्य केंद्र की ओर से मोहनपुरा स्थित 'अंडमान लक्षद्वीप हार्बर वर्क्स के सम्मेलन कक्ष में कल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर दक्षिण अंडमान जिला उपायुक्त पूर्वा गर्ग मुख्य अतिथि, जबकि निकोबार जिले की उप मुख्य अभियंता ममता जिजित सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इस वर्ष के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय विज्ञान में महिलाएँ: विकसित भारत को गति देना' है। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में द्वीप की महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान जिला स्वास्थ्य समिति, स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर जिले भर में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए विभिन्न 'वर्टिकल हेल्थ प्रोग्राम' लागू कर रही है। जिले के सभी 56 स्वास्थ्य केंद्रों में गैर–संचारी रोग क्लीनिक संचालित किए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की जल्द जांच, पहचान और उपचार करना है। स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के आयुष विभाग के समन्वय से मार्च माह से पूरे जिले में सप्ताह में दो बार सुबह 7 बजे से सुबह 8 बजे तक नियमित योग सत्र आयोजित किए जाएंगे। सप्ताहांत सत्र दक्षिण अंडमान के सभी पंचायत भवनों और सामुदायिक हॉल में और साप्ताहिक सत्र सभी स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में चलेंगे। अधिक जानकारी के लिए लोग अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या आयुष्मान आरोग्य मंदिर से संपर्क कर सकते हैं।

<><><><><><><>

पुलिस प्रशिक्षण स्कूल, प्रातरापुर में हाल ही में आपराधिक प्रक्रिया (पहचान) अधिनियम 2022 और मापन संग्रह इकाई पर दो दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम फिंगर प्रिंट सेल द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, नई दिल्ली के समन्वय से

आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य रिकॉर्ड रखने की पुरानी मैनुअल पद्धति को आधुनिक और एकीकृत पहचान प्रणाली में बदलना और पुलिस और वैज्ञानिक अधिकारियों की फॉरेंसिक क्षमताओं को मजबूत करना था। इस कार्यक्रम में पुलिस कर्मियों और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी के वैज्ञानिक अधिकारियों सहित कुल 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

<><><><><><><>